

भारत सरकार  
परमाणु ऊर्जा विभाग  
13.08.2015 को राज्य सभा में  
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 2723

यूरेनियम का रिकार्ड उत्पादन

2723. श्री टी. रतिनावेल

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या भारत ने 1,252 मीट्रिक टन से भी अधिक यूरेनियम का रिकार्ड उत्पादन किया है जो देश के परमाणु रिएक्टरों का ईंधन की वार्षिक आवश्यकता से लगभग दोगुना है;
- (ख) क्या यह उत्पादन प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टरों के लिए देश की 650 मीट्रिक टन ईंधन की वार्षिक आवश्यकता से काफी अधिक है, जिसका अर्थ है कि देश के पास अधिशेष परमाणु ईंधन है जो कई महीनों तक चलेगा;
- (ग) क्या 700 मेगावाट की क्षमता वाले प्रत्येक रिएक्टर को प्रति वर्ष 125 मीट्रिक टन यूरेनियम की आवश्यकता होती है; और
- (घ) क्या देश में विद्युत रिकटर्स की बढ़ती संख्या के साथ यूरेनियम की मांग बढ़ने की संभावना है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय ( डॉ. जितेन्द्र सिंह ) :

- (क) नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी), हैदराबाद, जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीई) का एक संघटक यूनिट है, ने वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान 1252 मीटरी टन (एमटी) ईंधन असैम्बलियां उत्पादित की हैं।
- (ख) जी, हाँ। देश में दाबित भारी पानी रिएक्टरों की अधिकतम वार्षिक ईंधन आवश्यकता 855 मीटरी टन (एमटी) है। देश में 5780 मेगावाट की स्थापित उत्पादन क्षमता वाले 21 नाभिकीय विद्युत रिएक्टर प्रचालनरत हैं। 3380 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता वाले तेरह (13) रिएक्टर, नामतः तारापुर, महाराष्ट्र स्थित तारापुर परमाणु बिजलीघर (टीएपीएस)- 1 तथा 2; रावतभाटा, राजस्थान स्थित राजस्थान परमाणु बिजलीघर (आरएपीएस)- 2 से 6; ककरापार, गुजरात स्थित ककरापार परमाणु बिजलीघर (केएपीएस)- 1 तथा 2; नरोरा, उत्तर प्रदेश स्थित नरोरा परमाणु बिजलीघर (एनएपीएस)- 1 तथा 2; एवं कलपाक्कम, तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना (केकेएनपीपी)-1 अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के सुरक्षोपायों के अधीन हैं एवं आयातित ईंधन के हकदार हैं। ये रिएक्टर निर्धारित विद्युत क्षमता पर प्रचालन कर रहे हैं। तथापि, रावतभाटा, राजस्थान स्थित एक रिएक्टर राजस्थान परमाणु बिजलीघर (आरएपीएस)-1 (100 मेगावाट), तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन के लिए शट-डाउन की विस्तारित अवस्था में है।

कुल 2400 मेगावाट स्थापित क्षमता वाले आठ (8) रिएक्टर, नामतः तारापुर, महाराष्ट्र स्थित तारापुर परमाणु बिजलीघर (टीएपीएस)-3 तथा 4; चेन्नै के समीप मद्रास परमाणु बिजलीघर (एमएपीएस) 1 तथा 2; एवं कैगा, कर्नाटक स्थित कैगा उत्पादन केन्द्र (केजीएस)- 1 से 4 में स्वदेशी ईंधन काम में लाया जाता है। ईंधन की उपलब्धता के हिसाब से, वर्तमान में इन रिएक्टरों का प्रचालन उनकी निर्धारित विद्युत क्षमता के करीब क्षमता पर किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के सुरक्षोपायों के अधीन वाले रिएक्टरों के लिए अतिरिक्त ईंधन उपलब्ध है, जोकि कई महीनों तक चलेगा।

(ग) जी, हाँ।

(घ) जी, हाँ।